प्र. 1. (अ) नीवेदनां धौ प्राप्तिः नृत्य सैतायिक वालां, देहात ते विषय पर मुदासर नृत्य बाणों।
   १. सर्व अर्थ सिद्ध वाणां उपायम्।
   २. मुंबईना गवर्णरम् प्रस्तुत लंवरणं मात्रायम्।
   ३. वर महरजना मोटा पुरुष।
   ४. पर्यंत संभवी साप्तमां अंक निकामपाबू होऽम् तो सर्व साधन आवे।
   ५. विषयार्थां आचारी अणधिनुं देहात अनो तेतुं रक्षम्।

(ब) नीवेदनां अवतरणां पूर्णं करेः अने व्यतामृतां कमांडः।
   १. केंद्र द्वारां संस्कृत।............................ द्रष्टा पानो नवी।
   २. महेंद्र विद्वतं निर्देशं निर्देशं।............................ त्या पेशवा देवा नवी।
   ३. कैंचे देवतां अत्यंत देयं।............................ अनेक मल अवर्गा बाध्य नवी।
   ४. कैंचे पोतानुः क्षयां ईष्यपुं।............................ द्रष्टा पानो देखें।
   ५. अनेक देवी वे व्यवहार छेट।............................ धर्म ज नवी।

(क) नीवेदनां धौ प्राप्तिः नृत्य पर व्यवसायमां व्यतामृतां कमांडः।
   १. सत्पुरुषं विस गृहीतः।
   २. निर्माणः।